

HINDI
ICSE SYLLABUS
CLASS 9

**Sakhi, Girdhar Ki Kundaliyan ,Swarg Bana Sakte Hai, Wah
Janmabhumi Meri,Megh Aaye, Sur Ke Pad, Vinay Ke Pad, Chalna
Hamara Kam Hai**

CLASS 10

**बात अठन्नी की, काकी, महायज्ञ का पुरस्कार, नेताजी का चश्मा, अपना-अपना
भाग्य, बड़े घर की बेटीसंदेह, भीड़ में खोया आदमी, भेड़ें और भेड़िए हरिशंकर
परसाई, दो कलाकार, साखी, गिरिधर की कुंडलियाँ, स्वर्ग बना सकते हैं, साखी,
गिरिधर की कुंडलियाँ, स्वर्ग बना सकते हैं, वह जन्मभूमि मेरी, मेघ आए, सूर के पद,
विनय के पद. भिक्षुक**

CBSE SYLLABUS

CLASS 9

दुःख का अधिकार एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा, रेदास - अब कैसे छूटे राम नाम, ऐसी लाल तुझ बिनु, रहीम - दोहे, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, अर्थ की इष्टि से वाक्य भेद, अलंकार, (शब्दालंकार: अनुप्रास, यमक, श्लेष) (अर्थालंकार : रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण)

CLASS 10

मनुष्यता, पर्वत प्रदेश में पावस, कर चले हम फिदा, मीरा पद, कबीर साखी, पतझर में टूटी पत्तियाँ, कारतूस, बड़े भाई साहब, ततारा वामीरो कथा, अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले